



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1582165

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SACHIN GURJAR

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

27 Aug. 2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र

Centre

J.V.S.D,
New Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

[Signature]

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks
1(a)		6 (a)	
1(b)		6 (b)	
2(a)		7	
2(b)		8	
3(a)		9	
3(b)		10	
3(c)		11	
4(a)		12	
4(b)			
5			
उप-योग (A) Subtotal (A)		उप-योग (B) Subtotal (B)	
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)			



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are TWELVE questions divided in TWO SECTIONS and printed both, in HINDI and in ENGLISH.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस का संबंध कॉर्पोरेट में शासन व्यवस्था संचालन से है।

जैसे → टाटा स्टील में कॉर्पोरेट व्यवस्था

ESG, पर्यावरण एवं समाज को गवर्नेंस से जोड़ता है। इसके तहत निर्णय प्रक्रिया में पर्यावरण व समाज दोनों को ध्यान में रखा जाता है।

ESG का बहु-हितधारक दृष्टिकोण से एकीकरण क्यों?

1.) दोनों का अंतिम लक्ष्य समाज का लाभ

2.) बहु हितधारक दृष्टिकोण में पर्यावरण एवं समुदाय / समाज भी शामिल

उम्मीदवारों को इस वार्ड में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3.) एकीकृत पद्धति द्वारा अधिक स्पष्टता

लाभ →

1.) पर्यावरण चिंताओं पर अधिक ध्यान

2.) CSR एवं ESG का सम्मिलित रूप अधिक प्रभावी

3.) गवर्नेंस के स्तर पर पर्यावरण की चिंता न कि केवल समाज के प्रति दायित्व के स्तर पर

ESG को बहु हितधारक दृष्टिकोण से जोड़कर कोर्पोरेट गवर्नेंस को अधिक समाज हितैषी बना सकते हैं।

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

10

भ्रष्टाचार से तात्पर्य, अपने पद का गलत प्रयोग अथवा शक्तियों के प्रयोग नहीं करने से है।

उदा. → सिविल सर्वेंट द्वारा काइल आगे बढ़ाने हेतु ब्रूस लेना

• खनन माफिया पर कार्यवाही न करना

भ्रष्टाचार के रूप

बल पूर्वक
भ्रष्टाचार

मिलीभगत
भ्रष्टाचार

उदा. → पुलिस वाले द्वारा पासपोर्ट के लिये ब्रूस माँगना

उदा. → अधिकारी द्वारा माफिया गठबंधन

मिलीभगत भ्रष्टाचार से समस्या →

- 1.) भ्रष्टाचार गुमनाम बना रहता है
- 2.) भ्रष्ट अधिकारी की शिकायत नहीं
- 3.) जनता की शिकायतों पर कार्यवाही नहीं
- 4.) मिलीभगत के कारण सिविल सेवा अधिकारी पर अनुचित दबाव
- 5.) शासन व्यवस्था प्रभावित

उपाय →

- 1.) अधिकारियों की सम्पत्ति की निरंतर जाँच
- 2.) अधिकारियों का नैतिक प्रशिक्षण
- 3.) मितव्ययता की भावना का प्रसार

मिलीभगत भ्रष्टाचार, गुमनाम रहने के कारण शासन व्यवस्था पर खतरा है। जरूरी है कि सिविल सेवकों इससे दूर रहें।

2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर किसी कार्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं एवं शिकायत निपटान प्रणाली का धोरा होता है।

उदा० → PNB नागरिक चार्टर

नागरिक चार्टर के तत्व →

- 1.) प्रदत्त सेवाओं की सूची
- 2.) अपेक्षित मानक
- 3.) शिकायत निवारण प्रणाली
- 4.) जिम्मेदारी एवं उत्तरदायित्व का निर्धारण

इन तत्वों के आधार पर क्वालिटी सर्विस डिलेवरी सुनिश्चित होती है।

भागरिक चार्टर की समस्याएँ →

- 1.) पल्डवाषी में बनाथा गया
- 2.) जानकारी स्पष्ट नहीं
- 3.) अपडेटेड नहीं
- 4.) पब्लिक पार्टिसिपेशन नहीं
- 5.) शिकायत निवारण तंत्र की विफलता
- 6.) अधिकारियों द्वारा पालन नहीं

समाधान →

- 1.) पर्याप्त एवं स्पष्ट डिजाइन
- 2.) सर्विस लिस्ट पूर्ण हो
- 3.) शिकायत निवारण 3 मानक तय हो
- 4.) भागरिक समाज की श्रामीदारी सुनिश्चित की जाये
- 5.) सभी समस्याओं का उचित निपटारा
- 6.) RTI, सेवोत्तम मोडल एवं पर्याप्त प्रचार

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक सेवा वितरण का तात्पर्य
पब्लिक ग्रुप एवं महत्व की सेवाओं का
समाज के प्रत्येक वर्ग तक पर्याप्त
एवं प्रभावी वितरण है।

उदा० → PDS सिस्टम

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विशेषता

- 1.) चुनाव एवं विकल्प की उपलब्धता
- 2.) स्टैंडर्ड निर्धारण
- 3.) कानून का पालन
- 4.) पारदर्शिता
- 5.) पारदर्शिता
- 6.) समानता
- 7.) समावेशिता

वर्तमान स्थिति में समस्याएँ

- 1.) डिजिटल लीकेज
- 2.) भ्रष्टाचार
- 3.) अंतिम दौर तक पहुँच नहीं
- 4.) पथप्रदर्शन प्रचार का अभाव
- 5.) वित्तीय समावेशन की दर धीमी

समाधान →

- 1.) डिजिटल पहुँच
 - 2.) e-governance का प्रयोग
 - 3.) लोगों में डिजिटल साक्षरता
 - 4.) पथप्रदर्शन ऑडिटिंग
 - 5.) सेवोन्तम मॉडल का प्रयोग
 - 6.) सोशल ऑडिट
 - 7.) DBT का उपयोग
- DPSP के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सार्वजनिक सेवा का प्रभावी वितरण सुनिश्चित करना होगा।

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हफ्ते में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाओत्से का यह विचार परोपकार एवं हस्तीशिप के सिद्धांत से संबंधित है।

परोपकार → लोगों की निरवार्थ सेवा

उदा० → मदर टेरेसा

हस्तीशिप सिद्धांत → महात्मा गांधी

के अनुसार व्यक्ति को अपनी पुरत अनुसार धन लेकर बाकी बचे धन को समाज की भलाई में हस्ती के रूप में संबंधित

व उस धन का उपयोग करना चाहिए)

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाभ →

- (i) गरीब तबके तक सुविधा पहुँचें
- (ii) सामाजिक समानता
- (iii) धन का सँकेन्द्रण नहीं (DPSP)

कैसे किया जा सकता है

- (i) इम्पेची बढ़ाकर
- (ii) लोक सेवा की भावना
- (iii) गाँधीजी के 7 पाप के सिद्धांत मानकर

इस तरह समाज के धन को समाज को देकर समाज की हित की जा सकती है जिसका

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस शीट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

रॉबर्ट नॉयस का यह कथन कार्यालय में
नेतृत्व क्षमता की नैतिकता पर आधारित
है।

नेतृत्व क्षमता से तात्पर्य है नेता
द्वारा समान नैतिक लक्ष्य की ओर
समूह को प्रेरित करना।

उदा० → ISRO में सतीश धवन

नेतृत्व के नैतिक गुण

- 1.) समावेशिता
- 2.) प्रेरणा
- 3.) समाधान प्रदान करना
- 4.) नेतृत्व करना जब परिस्थिति कठिन हो
- 5.) सभी को अपना पक्ष रखने का अधिकार
- 6.) कार्यस्थल पर स्वस्थ वातावरण
निर्माण

शीर्ष पर अपथि नैतिकता का परिणाम →

- 1.) निम्न स्तर पर अनुकरण द्वारा
अनैतिक व्यवहार
- 2.) कार्य निष्पादन प्रभावित
- 3.) कार्यस्थल पर वातावरण अस्वस्थ
- 4.) सेवा वितरण गुणवत्ता घटिया

समाधान →

- 1.) नेतृत्व सर्वे नैतिक व्यवहार करें
- 2.) फीडबैक हेतु पथि अवसर दें
- 3.) फीडबैक खुला हो एवं उस पर
व्यवहार किया जाये

नैतिक नेतृत्व ही नैतिक
कार्यस्थल का निर्माण करता है एवं
कार्यालय की निष्पादन क्षमता बढ़ाता है।

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

जॉन लॉक ने सामाजिक बंधन के अपने सिद्धांत में कहा था कि कानून का कार्य समाज की अवसरों की पर्याप्त स्वतंत्रता देना है, न कि इसको धराना।

कानून, किसी सरकार द्वारा बनाये गये नियम होते हैं जिनका पालन करना बाध्यकारी होता है।

उदा० - वाइक चलाने समय हेलमेट पहनना बाध्यकारी है।

कानून का कार्य क्या है?

- 1.) लोगों के अधिकारों की रक्षा।
- 2.) सामाजिक नियंत्रण बनाये रखना जिससे सोशल ऑर्डर बना रहे।

3.) लोगों की स्वतंत्रता की रक्षा करना
एवं बढ़ावा देना

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

कानून का उद्देश्य क्या नहीं है? →

- 1.) तानाशाही शासन का निर्माण
- 2.) लोगों की स्वतंत्रता पर नियंत्रण
- 3.) सामाजिक नियंत्रण हेतु वैयक्तिक प्राकृतिक अधिकारों का हनन

कानून का सही उद्देश्य सुनिश्चित कैसे →

- 1.) कानून निर्माण में जन भागीदारी
- 2.) कानून निर्माण संविधान की भावना के अनुरूप

कानून का निर्माण

मानव द्वारा किया गया है, न कि

मानव का निर्माण कानून द्वारा। अतः

कानून का उपयोग मानव स्वतंत्रता बढ़ाने में होना चाहिए।

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

परोपकार से तात्पर्य है कि सामाजिक नैतिक कार्यों से है जिनमें स्वार्थ का भाव शामिल नहीं होता।

उदा० → महर्षि दधीचि द्वारा अपनी हड्डियों का दान

परोपकार का सकारात्मक बदलाव में योगदान →

- (1.) वंचितों को लाभ
- (2.) समानता में वृद्धि (अमीर - गरीब अंतर कम)
- (3.) गांधीजी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत का प्रयोग करते हुये प्रभावी सामाजिक योगदान
- (4.) शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं

तक प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच

(5.) अंततः समतामूलक समाज का निर्माण

कोर्पोरेट द्वारा परोपकार

- बिल एंड मिलेडा गेट्स फाउंडेशन
- टाटा द्वारा सामाजिक कार्य
- अजीय प्रेमजी फाउंडेशन

क्या ये रुढ़ पथ हैं?

- 1.) धन देने के अतिरिक्त धन का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक
- 2.) धन अनैतिक तरीके से न कमाया जाये
- 3.) धन एवं सामाजिक कार्य अंतिम दौर तक पहुँचाने चाहिए

ऐसे कार्यों की सफलता बेहतर क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। अतः पब्लिक पार्टिसिपेशन अपेक्षित है।

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से ताल्पर्य मशीन
द्वारा मानव मस्तिष्क के समान
सोचने एवं विश्लेषण करने की
क्षमता से है।

उदा० → चैटबोट चैटजीपीटी

AI से संबंधित चुनौतियाँ →

1.) निष्पक्षता →

→ प्रोग्रामिंग पर आधारित
प्रोग्रामर की सोच का
प्रभाव

उदा० → चैटजीपीटी का ब्लैक
समुदाय पर प्रभाव 'पूर्वाग्रह'
आधारित था।

2.) पारदर्शिता →

- (i) AI का प्रयोग करके भ्रष्टाचार
- (ii) झाँकड़ों की टैराफेरी
- (iii) AI निर्णय प्रक्रिया में होगी
तो कम्प्यूटर के समान निर्णय
↳ मानवीय भावना नहीं
↳ अतः पारदर्शिता में वृद्धि

3.) नौकरी की सुरक्षा

- (i) अनस्किल्ड व सेमीस्किल्ड वर्कर की
नौकरी खाने का खतरा
- (ii) खतरा भरे कार्यों में AI का
प्रयोग → मानव आवश्यकता
रुम

आगे क्या →

- (i) AI का समुचित उपयोग
(प्रतिस्पर्धा में बने रहने हेतु)
- (ii) कार्मिकों को प्रशिक्षण
- (iii) बेरोजगारी बीमा जैसी
थोपना लाई जा सकती
है।

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती ने वैदिक मूल्यों पर जोर दिया जो सामाजिक समानता, शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित थे।

उनके प्रमुख सिद्धांत

- शिक्षा → (i) सभी के लिये शिक्षा
(ii) पश्चिमी शिक्षा पर भी जोर
(iii) इंग्लो - वैदिक शिक्षा समन्वय पर बल

- सामाजिक समानता → (i) वेदों में वर्ण व्यवस्था जन्म से नहीं
(ii) अस्पृश्यता वेदों में नहीं

(iii) सभी समाज के सभी वर्ग
समान

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

→ नैतिक मूल्य → (i) करुणा एवं परोपकार
पर बल

(ii) बंधुत्व की भावना
पर बल

वर्तमान प्रासंगिकता →

1.) शिक्षा → स्त्री शिक्षा
→ निम्न वर्ग की शिक्षा

2.) सामाजिक → अस्पृश्यता का अंत
समानता → जातिगत व धार्मिक
भेदभावों का अंत

3.) नैतिक मूल्य → सांप्रदायिकता का
बढ़ता प्रभाव
↳ करुणा की कमी
↳ उपभोक्तावादी
मानसिकता

जब हम 2023 में स्वामीजी
की 200 वीं जयंती मना रहे हैं, तब साथ ही

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

लोक सेवा के प्रति समर्पण से तात्पर्य अपने हितों की परवाह किये बिना व्यापक हित के लिये प्रयत्न करना

→ 24x7 लोक सेवा में तत्पर

उदा० → डॉ. आर्ये - 'लेप्रोसी मरीजों' की सेवा

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

सार्वजनिक जीवन में किसी भी राजनीतिक विचारधारा के पक्ष या विपक्ष में झुकाव न रखना

→ लोक सेवा का अनामिता के गुण के साथ संबंध

उदा० → CAG विनोद राय - 29 थोपला

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

वस्तुनिष्ठता, अपने निर्णय प्रक्रिया हेतु केवल तथ्यों की स्रोत के रूप में लेने से है।

→ व्यक्तिगत धारणाओं से बचा जाना है।

उदा० → T.N. शेषन द्वारा चुनाव सुधार (ECE) हेतु वस्तुनिष्ठ निर्णय

- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

बहुलवादी समाजों में विद्यमान विभिन्न मतों को स्वीकार करने का गुण सहिष्णुता है।

→ संकीर्ण अर्थ में इसे धार्मिक रूप में देखा जाता है। लेकिन व्यापक अर्थ में यह प्रत्येक विरोधी मत से संबंधित है।

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

उदा० → गांधीजी का सांप्रदायिक सद्भाव।

लोक सेवा में करुणा से तात्पर्य दूसरों की मनोस्थिति की समझना एवं उनकी समस्याओं को दूर करने हेतु कार्य करने की चाह है।

Empathy + Action → Compassion

उदा० → . मदन टैरेसा

. गणेश कुमार बापत द्वारा आदिवासी कल्याण कार्य आदि

उम्मीदवारों को इस क्राफ्ट में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य अपनी एवं दूसरों की भावनाओं को समझना एवं उन्हें नियंत्रित करना है।

उदा० → संकर के समय हताश न होकर साहस जुटाना एवं कार्य करना

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के घटक

- 1.) सेल्फ अवैयरनेस
- 2.) सेल्फ मोडिफिकेशन
- 3.) सेल्फ रेगुलेशन
- 4.) इम्पैथी
- 5.) सोशल स्किल

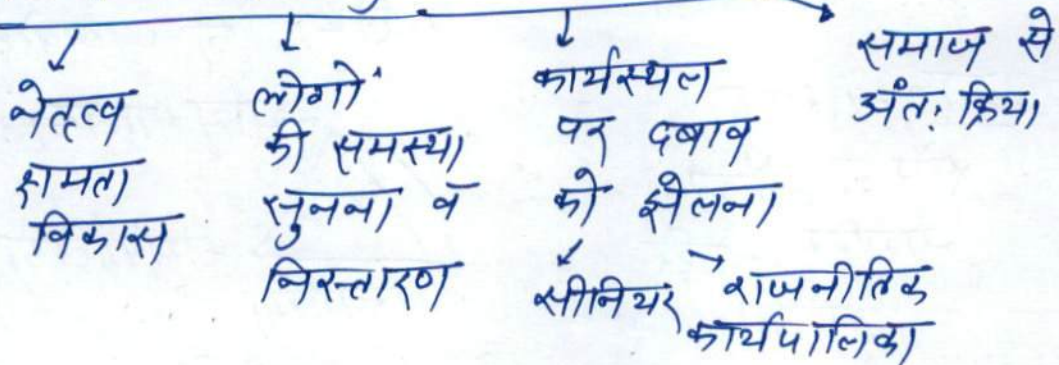
इस तरह देखें तो इसमें केवल भावना या बुद्धिमत्ता से रूप व्यक्तित्व संबंधी विशेषताएँ भी शामिल हैं।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग →

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- (i) अपने व्यक्तित्व की कमजोरियों की पहचान
- (ii) उन कमजोरियों पर नियंत्रण
- (iii) स्वयं को प्रेरित करने डिमोटिवेट एवं एंजाइटी जैसी चीजों से बचना।
- (iv) कार्यस्थल पर सहकर्मियों के व्यवहार को समझना।
- (v) सामाजिक संक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना।

सिविल सेवक हेतु EI का उपयोग →



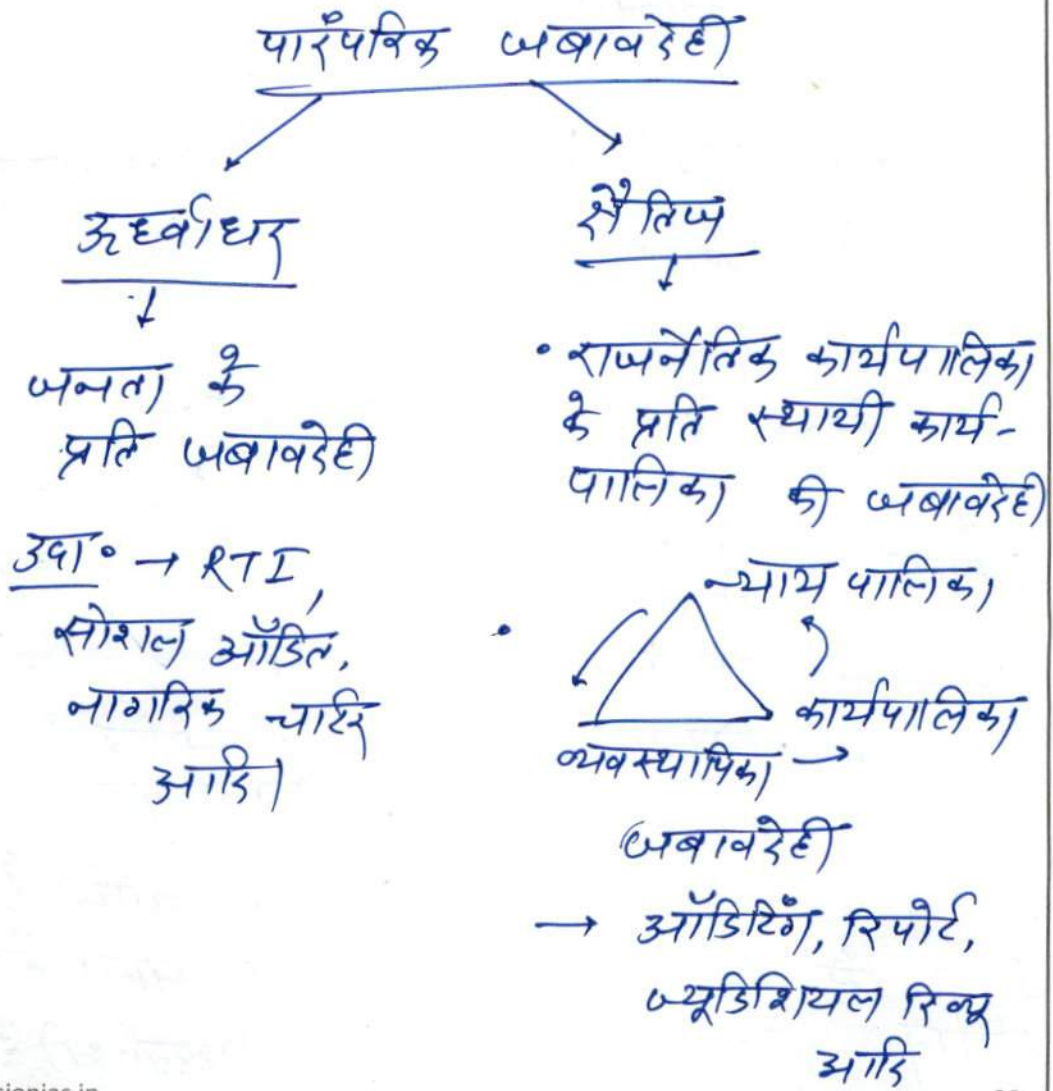
जीलमेन ने व्यक्ति के जीवन में EI का वर्तमान परिस्थितियों में 80% महत्व माना है यह दिखता भी है।

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

जवाबदेही से तात्पर्य, किसी कार्य के प्रति अंतिम जिम्मेदारी से है।

यह कार्य समाप्ति पर निर्धारित होती है।



नवीन दृष्टिकोण

बहु हितधारक दृष्टिकोण → इसके तहत

भोजना अथवा नीति क्रियान्वयन के पुंडे सभी हितधारक (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष को शामिल किया जाता है)

बॉटम अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण →

इस दृष्टिकोण में नागरिकों द्वारा कार्यपालिका की जबाबदेही तय की जाती है एवं कार्यपालिका को उसी आधार पर निष्पादन करना होता है।

जबाबदेही, नोलन कमेटी के साथ-साथ 2nd ARC एवं वर्ल्ड बैंक की गुड गवर्नेंस के बरतों में शामिल है। अतः इसके लिये अधिक प्रभावी दृष्टिकोणों को अवश्य अपनाना चाहिए।

7.

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

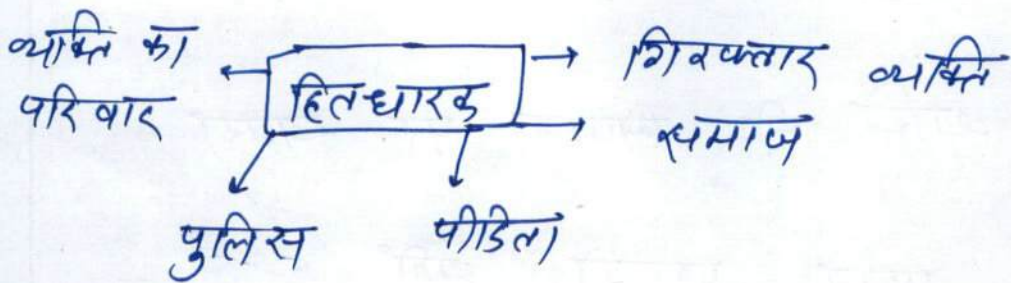
The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

केस रिकॉग्निशन का बढ़ता प्रभाव एवं उसके अंदर उपस्थित तकनीकी खामियों के दुष्प्रभाव लगातार सामने आ रहे हैं। उपर्युक्त मुद्दा भी इसी से संबंधित है।



4.) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे →

- (i) प्रौद्योगिकी का नैतिक प्रभाव
↳ व्यक्ति की गलत पहचान
- (ii) व्यक्ति की प्रतिष्ठा
↳ अपराधी बीषित समाज द्वारा
- (iii) व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक स्थिति
↳ निर्दोष व्यक्ति को दोषी बनाने के कारण मानव पर प्रभाव

- (iv) समाज की कार्यपद्धति
↳ केवल आरोंपो के आधार पर समाज को निकालना
- (v) पुलिस की फसल
↳ केवल प्रौद्योगिकी पर भरोसा करना
- (vi) प्रौद्योगिकी के प्रयोग की सीमितता
↳ तकनीक के प्रयोग की क्या सीमा होनी चाहिए ?

(B.) ऐसी प्रौद्योगिकी के प्रयोग के नकारात्मक
प्रभाव →

- (i) व्यक्ति की निष्पत्ता - पर खतरा
- (ii) पूर्णतः प्रभावी नहीं
- (iii) तकनीकी असमता
- (iv) प्रणाली निर्माण में जिन सिद्धांतों का पालन, उनकी वास्तविक सफलता कितनी है? यदि यह कम है तो निश्चित ही इसके दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे।

(v) शासन की कुशलता में कमी

↳ केवल प्रौद्योगिकी पर आधारित

निर्णय में स्वयं के मूल्यों
एवं बुद्धिमत्ता का प्रयोग
नहीं

↓
लंबे समय स्तर पर असम
मास्तिष्क

(vi) प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग संभव

↳ कोडिंग में परिवर्तन करके

(vii) डाटा चोरी एवं साइबर हमलों
की आशंका

संभावित उपाय

(i) प्रौद्योगिकी का उपयोग मानव निर्णय
हेतु सहायक के रूप में ही, न कि
मानव निर्णय को पूर्णतः प्रतिस्थापित
करने हेतु

(ii) डेटा की सुरक्षा हेतु पर्याप्त प्रबंध किये जायें

(iii) चूँकि प्रौद्योगिकी के परिणाम गलत भी हो सकते हैं (जैसे इस केंस स्टडी में हुआ), अतः उपाय किया जा सकता है कि जब तक 100% सत्यापन न हो, व्यक्ति की गारिमा की रक्षा की जाये।

(iv) निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ कुशलता भी लौकिक सेवकों का मूल्य है जिसका ध्यान रखा जाये।

इस तरह प्रौद्योगिकी का न्यायोचित एवं मानव सहायक प्रयोग ऐसी परिस्थितियों से बचा सकता है।

8.

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

20

कार्यस्थल पर शोषण से बचाव हेतु
PoSH Act की स्थापना की गई है।
यह किसी भी प्रकार के कार्यस्थलीय
शोषण से महिलाओं की रक्षा करता
है।

(A) रीना के सामने दुविधाएँ →

- (i) नौकरी बनाम व्यक्तिगत सुरक्षा
(आर्थिक सुरक्षा)
- (ii) VP की शिकायत बनाम अपने कार्य
पर ध्यान
- (iii) कार्यस्थल पर स्वस्थ बनाम असह्य
माहौल
होकर
कार्य
करना

(A) अस्पष्टता के कारण बनाम प्रबंधक से
बोलने से कचना शिकायत

उम्मीदवारों को
इस शीट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(B) रीना के पास विकल्प -

(i) वह ~~बि~~ नौकरी ना लें

गुण	दोष
→ VP की अस्पष्टता से बचाव	→ अच्छी कंपनी छोड़ना
→ व्यक्तिगत सुरक्षा का बचाव	→ अस्पष्टता की स्थिति में ऐसे निर्णय लेकर सदैव असमंजस में रहना

(ii) प्रबंधक से सीधे शिकायत

गुण	दोष
→ मामले पर स्पष्टता	→ इस संदर्भ में कोई तथ्य उपस्थित नहीं
→ व्यक्तिगत सुरक्षा	→ नौकरी में कार्यस्थल पर आलोचना का भय
→ कार्य कुशलता में वृद्धि	

(iii) नॉकरी जाइन करे एवं VP डाटा कोई भी गलत व्यवहार करने पर शिकायत करे

गुण	दोष
→ तथ्य आधारित शिकायत	→ ऐसा होने तब असह्यता की स्थिति
→ अच्छी कंपनी प्राप्त होगी	→ कार्य कुशलता पर प्रभाव
→ व्यक्तिगत व आर्थिक सुरक्षा बनी रहेगी	

(c) ~~रिना~~ रिना द्वारा अपनाथी जाने वाली कार्यवाही →

रिना को विकल्प (iii) का चयन करते हुये नॉकरी प्राप्त करनी चाहिए।

उसे निम्न कदम उठाने चाहिए-

(i) अपनी असह्यता पर नियंत्रण करे

क्योंकि यह उसकी दृष्टता को प्रभावित करेगा।

(ii) UP द्वारा कोई भी प्रतिक्रिया होने पर उसे अपनी स्थिति स्पष्ट कर देनी चाहिए।

↳ इससे UP को रीना की स्पष्टता ज्ञात होगी।

(iii) यदि वह फिर भी नहीं मानता तो उसे प्रबंधक की शिकायत करनी चाहिए।

↳ क्योंकि कार्यस्थल पर स्वस्थ वातावरण निर्माण प्रबंधक की जिम्मेदारी।

(iv) विशाखा गाइडलाइन अनुसार, आंतरिक कमेटी को अप्रोच करना चाहिए एवं कार्यवाही से ~~बच~~ असंतुष्ट होने पर तत्काल FDR की जानी चाहिए।

महिलाओं को घर से बाहर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिये स्वस्थ कार्यस्थल अत्यावश्यक है जो भारत के पचासवीं वर्षांश के उपयोग को सुनिश्चित करेगा।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

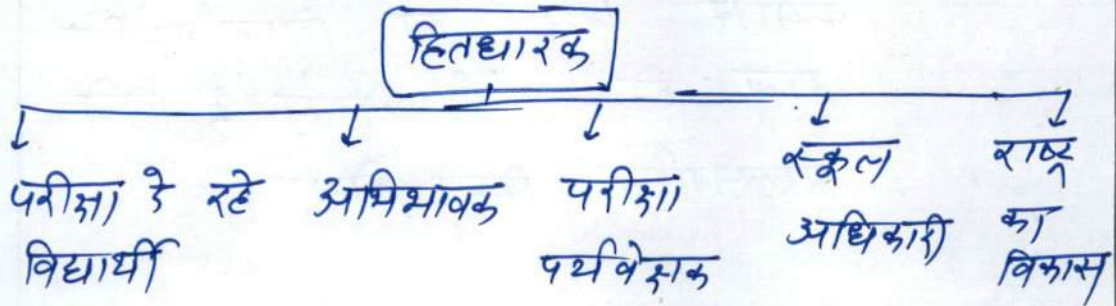
- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का एक साधन निष्पक्ष एवं प्रभावी परीक्षा प्रणाली है। नकल द्वारा पास विद्यार्थी केवल डिग्रीधारी होते हैं, कुशल नहीं।

यह कैसे स्टी भी परीक्षा नकल से संबंधित है जिसमें स्वयं विद्यालय एवं परीक्षक भी शामिल हैं।

उम्मीदवारों को इस कसिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin



(A) शामिल नैतिक मुद्दे →

(i) शिक्षा का गिरता स्तर

↳ बच्चों एवं अभिभावकों द्वारा परीक्षा पास करने हेतु नकल का सहारा लेना

(ii) शिक्षक की प्रतिष्ठा

↳ मुख्य रूप से शिक्षक ~~का~~ पर्यवेक्षक द्वारा धन के लालच में नकल को बढ़ावा देना उसके सम्मान में कमी को दर्शाता है।

(iii) डैरा का भविष्य

↳ ऐसे बच्चों का डैरा निर्माण में प्रभावी योगदान शून्य होगा क्योंकि शिक्षा का निम्न स्तरीय ज्ञान ही उन्हें नकल के लिये प्रोत्साहित किया होगा।

(iv) प्रौद्योगिकी नैतिकता

↳ तकनीक के नए उपकरणों के प्रयोग द्वारा नकल जैसे अनैतिक कार्यों की सम्पन्न करना

(B.) प्रस्तुत प्रकरण में समस्या समाधान

(i) मॉडल शिक्षा अधिकारी होने के नाते, सबसे पहले मैं उस सेंटर की समस्त परीक्षाएं रद्द कराऊँगा एवं नए सेंटर हेतु उच्च अधिकारियों को सूचित करूँगा।

(ii) लैषी अधिकारियों व शिक्षकों की
दुरंत सस्पेंड करते हुये जाँच के
निर्देश देगा एवं इस संबंध में
शिक्षा विभाग की पूर्ण रिपोर्ट
भेजूंगा ।

(iii) कर्मचारियों की कमी दूर करने के
लिये संवेदा पर पर्यवेसक नियुक्त
किये जा सकते हैं।

(iv) मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर
आरोपी अभिभावकों एवं बच्चों पर
कार्यवाही अल्पावसाद है।

(v) सरकार के लिये समय व धन की
हानि रोकने के लिये सम्पूर्ण परीक्षा
रद्द न करके आरोपी सेटरी
पर ही ऐसा करना उपयोगी
होगा क्योंकि

आरोपी परीक्षा सेंटर
की परीक्षा रद्द न
करने का फैसला दीर्घकालीन
हानि होगा

↳ निर्दोष बच्चों की इसका
भुगतान नहीं करना
चाहिए

(C.) दीर्घकालिक रणनीति →

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(1.) प्रभावी उच्चपदस्थों का वाहन एवं उनकी पर्याप्त संख्या की सुनिश्चित करना

(2.) नकल रोकने का सबसे प्रभावी उपाय शिक्षा के स्तर को गुणवत्तापूर्ण बनाना है। अतः

(i) शिक्षकों की पर्याप्त ट्रेनिंग

(ii) बच्चों को उनके शैक्षिक स्तर अनुसार पढ़ाना सुनिश्चित करना होगा।

(3.) नकल कराने वाले सरकारी अधिकारियों पर कठोर कानूनी कार्यवाही शीघ्र शिक्षकों हेतु उदाहरण प्रस्तुत करेगी। अतः इसके लिये कठोर कानून निर्माण करना सार्थक होगा।

केवल परीक्षा पास करने हेतु नहीं दिया गया है। शिक्षा का अधिकार NER, 2020 भी बच्चों के सर्वांगीण विकास पर आधारित है।

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

समुद्री संसाधनों के दोहन हेतु सभी देश प्रौद्योगिकी के विकास में प्रयासरत हैं। हालांकि पर्यावरण बनाम विकास की यह केस स्टडी इसी प्रकार के मुद्दे से संबंधित है।

(A) शाामिल ऐतिक मुद्दे -

- (i) भारत की संवर्द्धि को शक्ति
- (ii) जलवायु परिवर्तन का अध्ययन
- (iii) समुद्री जीवों का पता लगाना
- (iv) तापीय ऊर्जा उपयोग डार) ऊर्जा सुरक्षा

(v) गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से
पर्यावरण को खतरा

(vi) अभी संघारणीय महासागरीय
अर्थव्यवस्था की पूर्ण परिभाषा स्पष्ट
नहीं

(vii) विभिन्न कानूनी, पर्यावरणीय, शासन
एवं SDG संबंधी चुनौती

(viii) लाभ के न्यायसंगत बँटवारे का
प्रश्न

(ix) वैश्विक कम्पानियों द्वारा स्थिति
स्पष्ट होने तक ऐसी सामुद्रिक
सामग्री खरीदने से मना

(x) तत्कालीन लाभ बनाम सतत विकास

(xi) आर्थिक संवर्द्ध बनाम पर्यावरण

(xii) मानव हित बनाम समुद्री जीवों
का हित

(B.) संश्लिष्ट प्रयास के तरीके →

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(1.) सबसे पहले द्विलिंग के संभावित पर्यावरणीय परिणामों पर रिसर्च करनी होगी एवं जब तक स्पष्टता न हो तब तक द्विलिंग नहीं की जाये।

(2.) समुद्री संसाधनों के क्षेत्र के संबंध में UNCLOS को वर्तमान नियमों को विस्तारित करने की आवश्यकता है।

(3.) नियम न मानने वाले राष्ट्र का वैश्विक बहिष्कार किया जाना चाहिए।

(4.) संधारणीय प्रौद्योगिकी के विकास हेतु वैश्विक स्तर पर प्रयास करने चाहिए।

(5.) प्रौद्योगिकी की उपलब्धता सार्वभौमिक हो लाने के लिए असंभारणीय ढीहन न हो और न ही एकाधिकार की स्थिति बने।

(6.) इस प्रक्रिया में डीपीय देशों को भी शामिल करना चाहिए क्योंकि इन प्रयासों से वे ही सर्वाधिक प्रभावित होंगे।

(7.) वैश्विक षबावडेहिला सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इस तरह पर्यावरण को सह हितधारक मानने से सतत महासागर ढीहन किया जा सकता है।

11.

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों, एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

20

यह मामला एक ओर से देखने पर
सांप्रदायिक प्रतीत होता है, वहीं दूसरी
ओर शहर की वास्तविक एवं आगामी
समस्याओं के विरोध के रूप में
सामने आता है।

बढ़ते प्रदूषण एवं सांप्रदायिकता
की सम्मिलित समस्या इस किस स्टी
को पारित बनाती है।

(A.) दौनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य
स्थापित →

पहले पक्ष
का तर्क

(निर्माण पक्ष)

→ उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी
सभी दिशा निर्देशों व जोनिंग
नियमों का पालन

पर्याय में वृद्धि

अवसंवेचना विकास

शहर का विकास

विरोध धार्मिक पूर्वाग्रहों के कारण

विरोधी पक्ष
का तर्क

आकार व स्थान की लेकर
विरोध

पर्यावरण प्रभाव रिपोर्ट में
अनिश्चितता

संभावित प्रभावित निवासियों
से चर्चा नहीं

वर्तमान स्थिति

थोपना शुरूआती, लचीले
चरण में है।

उपाय →

(i) सबसे पहले में पर्यावरण
प्रभाव रिपोर्ट देखेंगा, एवं यदि

सही होने पर → विरोधी पक्ष
की समस्याओं का प्रयास करेंगा

इसमें अनियमित) पायी जाती हैं तो

नई रिपोर्ट हेतु
तत्काल आदेश
(निष्पक्ष अधिकारी
द्वारा)

तब तक निर्माण
कार्य पर रोक
(लगाउंगा)
वाड में अतिरिक्त
मिथम। डिप्लोमन संशोधन

उम्मीदवारों को
इस क्राफ्ट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(ii) निर्माण स्थल का व्यक्तिगत निरीक्षण

करेगा एवं ट्रैफिक की वर्तमान व संभावित
स्थितियों पर विचार करेगा।

4 यदि संभावना - जाम की

निर्माण पक्ष को अपना
निर्माण कार्य स्थानांतरित
करने हेतु कहेगा

इसमें मिल के उपयोगितावादी सिद्धांत का
प्रयोग सही रहेगा।

(iii) साम्प्रदायिक पूर्वाग्रहों से
निपटने हेतु साम्प्रदायिक सौंदाई बढ़ाने
हेतु जिले में विभिन्न आयोजनाओं
का प्रबंध करेगा एवं इसमें व्यक्तिगत
भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

(B.) विकल्प (1)

पक्ष → (i) जिले में अवसंरचना
विकास

(ii) धार्मिक पर्यटन में वृद्धि

विपक्ष → (i) सांप्रदायिकता में वृद्धि

(ii) निष्पक्षता प्रभावित

विकल्प (2)

पक्ष → (i) पर्यावरण संरक्षण
(ii) ट्रेफिक की समस्या नहीं

विपक्ष → (i) सांप्रदायिकता ↑
(ii) निष्पक्षता प्रभावित

विकल्प (3)

पक्ष → (i) निष्पक्षता अनुवर्धित
(ii) पर्यावरण व शहरी समाधान

विपक्ष → (i) निर्माण व्यय में वृद्धि

अतः ऐसी स्थिति में संतुलित निर्णय
प्रभावी होगा।

12.

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- (a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

भारत भले ही धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है
लेकिन समाज में सांप्रदायिकता
की स्थिति अभी भी बनी हुई।
खास तौर पर यह अंतर्धार्मिक विवाहों
के संबंध में मजबूती से धर्मनिरपेक्ष
समाज की बाधक है।

(A) शामिल नैतिक मुद्दे →

(i) व्यक्तिगत हित बनाम राष्ट्रनीतिक
हित

(ii) परिवार की चिंता बनाम राष्ट्रनीतिक
पद की
चिंता

(iii) धर्मनिरपेक्षता बनाम सांप्रदायिकता

(B.) उपलब्ध विकल्प →

(i) बेटी को शादी से मना करके
राजनीतिक पद प्राप्त किया
जाये।

↳ हालांकि इससे राजनीतिक
हितों की पूर्ति होगी लेकिन
पारिवारिक हित प्रभावित
होंगे।

(ii) बेटी की पसंद को राजनीति
के ऊपर रखा जाये।

↳ समाज में धर्मनिरपेक्ष होने
की क्षति बनेगी
बेटी के हित पूर्ण

हालांकि वर्षों की राजनीतिक
तपस्या एवं आगामी बड़े
राजनीतिक लाभ खोने होंगे।

(iii) बेटी की शादी भव्य तरीके से
न की जाये

↳ बेटी की इच्छा का दमन

परन्तु राजनीतिक हित व पारिवारिक
हित साधने का प्रमुख एवं
उपयोगी साधन है।

कार्यवाही का तरीका →

(i) विकल्प (iii) का चयन करते
हुये बिना भव्य समारोह के
बेटी की शादी

↙
मितव्ययता
का परिचय

↘
धर्मनिरपेक्षता
का परिचय

(ii) इसमें तर्क दिया जा सकता है
कि जब प्रतिनिधि संविधान की
रक्षा की शपथ लेता है जिसमें
राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष स्वभाव को

भी शामिल किया जाता है।

(iii) यह कदम समाज में बढ़ती साम्प्रदायिक सोच को साधने में सक्षम होगा।

साथ ही मेरे लिये आवश्यक होगा कि मैं समाज में धर्म-निरपेक्षता व साम्प्रदायिक सौहार्द को बढ़ाऊँ।

(iv) राजनीतिक फल द्वारा सर्वैधानिक मूल्य की रक्षा को न मानने पर मैं इस्तीफा देना पसंद करूँगा।

- स्वतंत्रता
- धर्म निरपेक्षता
- साम्प्रदायिक सौहार्द

इस तरह समाज में बढ़ती साम्प्रदायिकता को कम किया जा सकता है साथ सच्चे जन-प्रतिनिधि के रूप में स्वयं को स्थापित किया जा सकता है।

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

Faint, illegible handwritten text, possibly bleed-through from the reverse side of the page.

SPACE FOR ROUGH WORK

→ SHOO CAT

→ HIP
FLARE

→ DR LONA RR

→ SELECTIE

→ BF HTC CCD

AL